

इतिहासक' समय- रेखा आओर ओकर स्रोत

अध्याय

4

इतिहास "वर्तमान आ अतीतक बीच एकटा अनन्त सम्वाद अछि ... आजुक समाज आ काल्हिक समाजक बीच। ...

हम वर्तमानकेँ मात्र अतीतक प्रकाशमे पूर्ण रूपसँ बुझि सकैत छी।

— ई.एच. कार



राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली। एहन संग्रहालय अतीतक वस्तुसभ, जेना मूर्ति, सिक्का आ औभूषणकेँ संरक्षित करैत अछि, जे सभ अपनासभकेँ अपन इतिहासकेँ बुझबामे सहायता करैत अछि।

महत्त्वपूर्ण प्रश्न



1. हम ऐतिहासिक समय केना नापि सकैत छी?
2. इतिहास बुझबाक लेल विभिन्न स्रोत कोना मदति कए सकैत अछि ?
3. आदिमानव केना जीबैत छल?



0681CH04

अपनासभ अतीतक अध्ययन केना करब?

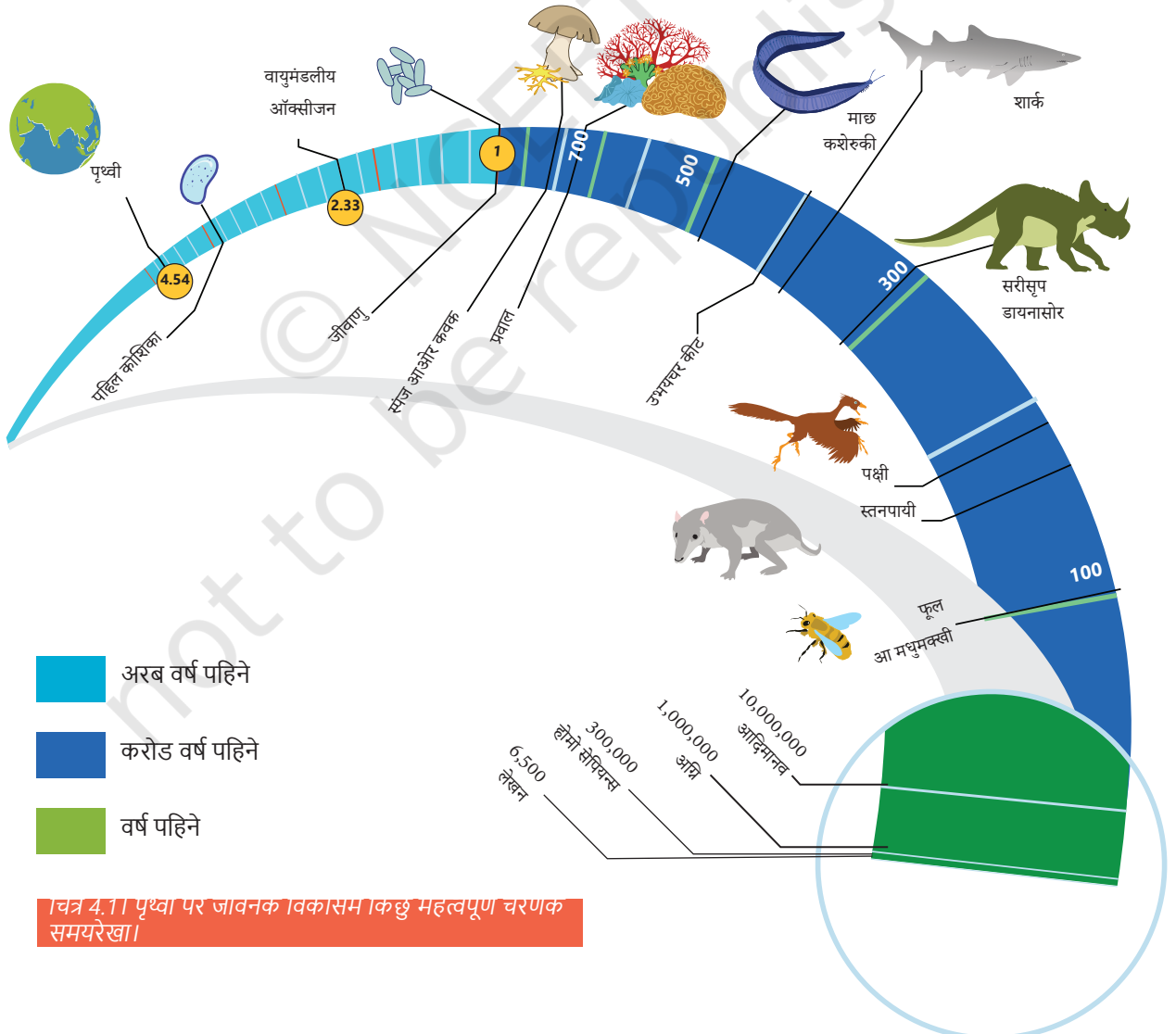


आउ विचार करू

- अहाँक अतीतक सबसँ पुरान स्मृति की अछि? की अहां के याद अछि ओहि समय अहां कतेक वर्षक छलहुं? सम्भवतः पाँच या छह वर्ष पहिनेओ स्मृति सभ एक सङ्ग अहाँक अतीतक भाग अछि।
- अहां केना सोचैत छी जे अतीत के बुझनाइ वर्तमान विश्व के समझय मे सहायता करत?

अहां विज्ञानक कक्षा मे पता करब जे पृथ्वी के बहुत नमहर इतिहास अछि, जाहि मे सं मनुष्य मात्रक सबसं नऽब आ एकटा छोट भाग अछि।

इतिहास: मानवक अतीत के अध्ययन।



बहुतो लोक पृथ्वीक इतिहासक अध्ययन करैत छथि। ओहिमेसँ किछुकें पृथ्वीक सतहक नीचा छोड़ल गेल रहस्यकें उजागर करबाक लेल प्रशिक्षित कयल जाइत अछि आ एकर अतीत - आ अपन अतीतक विषयमे सेहो जानबामे सहायता करैत अछि।

चित्र 4.2.1: भू-विज्ञानी

चित्र 4.2.2: जीवाश्म विज्ञानी

चित्र 4.2.3: मानव विज्ञानी

चित्र 4.2.4: पुरातत्वविद

उप्पर ई चारिटा चित्र आ एहिमे सम्मिलित गतिविधिक अवलोकन करू।

- भू-विज्ञानी (चित्र 4.2.1) पृथ्वीक भौतिक विशेषतासभ जेना माटि, पाथर, पहाड़ी, पहाड़, नदी, समुद्र, महासागर आ पृथ्वीक एहन अन्य भागक अध्ययन करैत अछि।
- जीवाश्म विज्ञानी (चित्र 4.2.2) **जीवाश्मक** रूपमे लाखो वर्ष पहिने के पौधा, पशु आ मनुष्य के अवशेष के अध्ययन करू।
- मानव विज्ञानी (चित्र 4.2.3) सबसँ पुरान समय सँ वर्तमान धरि मानव समाज आ संस्कृतिक अध्ययन करैत अछि।
- पुरातत्वविद (चित्र 4.2.4) अतीतक अध्ययन ओहि अवशेषकें खोदिकऽ करैत अछि जे लोक, पौधा आ पशु पाछू छोड़ि गेल अछि, जेना औजार, बर्तन, मोती, मूर्ति, खिलौना, पशु आ मनुष्यक हड्डी आ दाँत, जरल अनाज, घरक किछु भाग वा ईटा, आन सभ।

जीवाश्म: पैरक
निशानक छाप, या पौधा
या पशुक किछु भाग
जे माटि या चट्टानक
परतक भीतर संरक्षित
पाओल जाइत अछि।

इतिहासमे समय केना नापल जाइत अछि?

प्रत्येक समाज आ संस्कृतिक समय नापबाक अपन प्रणाली छल। कोनो महत्त्वपूर्ण व्यक्तिक जन्म या कोनो शासकक शासनकालक प्रारम्भ सन प्रमुख घटना सभ बहुधा एकटा नव **युगक** आरम्भकें चिन्हित करैत अछि।

युग: समयक एकटा
विशिष्ट अवधि।

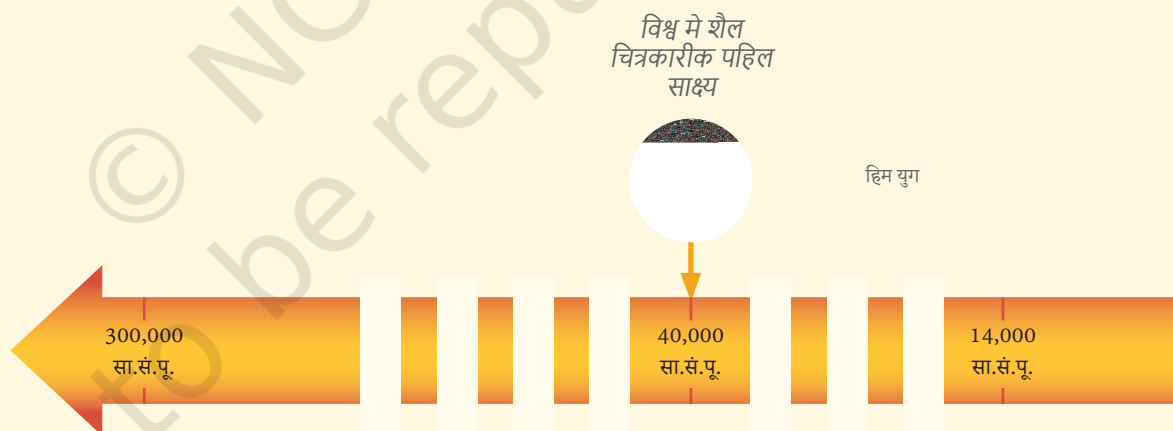
ग्रेगोरियन कैलेंडर: कैलेंडर
आब दुनिया भरि मे प्रयोग
कएल गेल अछि; एहिमे
१२ मास होइत अछि
जाहिमे ३६५ दिन धरि रहैत
अछि, आ प्रत्येक चारि
वर्षमे एकटा अधिवर्ष होइत
अछि। मुदा, शताब्दी वर्ष
- उदाहरणक लेल, १८००,
१९००, २००० - लीप वर्ष
तखन होइत छैक जखन ओ
४०० के गुणक होयत छैक;
तँ उपरोक्त तीन शताब्दी
वर्षमे, मात्र २००० एकटा
लीप वर्ष अछि।

शुभ: अनुकूल या भाग्य
लए रहल अछि; जेना,
'एकटा शुभ शुरुआत'।

वर्तमानमे, ग्रेगोरियन कैलेण्डर सामान्यतः विश्व भरिमे प्रयोग कएल जाइत अछि। सङ्ग-सङ्ग पाबनि-तिहारक तिथि हिन्दू, मुसलमान, यहूदी, चीनी आ अन्य कैलेण्डरक उपयोग आ अन्य गणनाक लेल सेहो कयल जाइत अछि।

पश्चिममे ईसा मसीहक जन्मक पारम्परिक वर्षकें सामान्यतः एहि पञ्चाङ्गक आरम्भिक बिन्दु मानल गेल अछि। एहि बिन्दुक बादसँ बरखकें आगू गिनल जाइत अछि आ एकरा 'ए.डी.' (एकटा लैटिन वाक्यांशक संक्षिप्त नाम जे ईसाक जन्मक बादक वर्षकें सन्दर्भित करैत अछि) द्वारा चिह्नित कयल जाइत अछि। ओना आब एकरा दुनिया भरिमे 'कॉमन एरा' वा सी. ई. कहल जाइत अछि। उदाहरणक लेल, 1947, जे साल भारतकें स्वतन्त्रता भेटल छल, ओकरा 1947 ईस्वी (कखनो काल ई.सन् 1947) वा 1947 ईस्वी लिखल जा सकैत अछि।

तहिना, ईसा के जन्म के पारम्परिक तिथि सँ पहिने के साल के उल्टा गिनल जायत छै आर ओकरा ईसा पूर्व (या मसीह सँ पहिने) के सङ्ग चिह्नित कैल जायत छलै। एकरा आब 'बिफोर कॉमन एरा' या बी. सी. कहल जाइत अछि। उदाहरणक लेल, 560 ईसा पूर्व गौतम बुद्धक (जिनका हम अध्याय 7मे जानब)

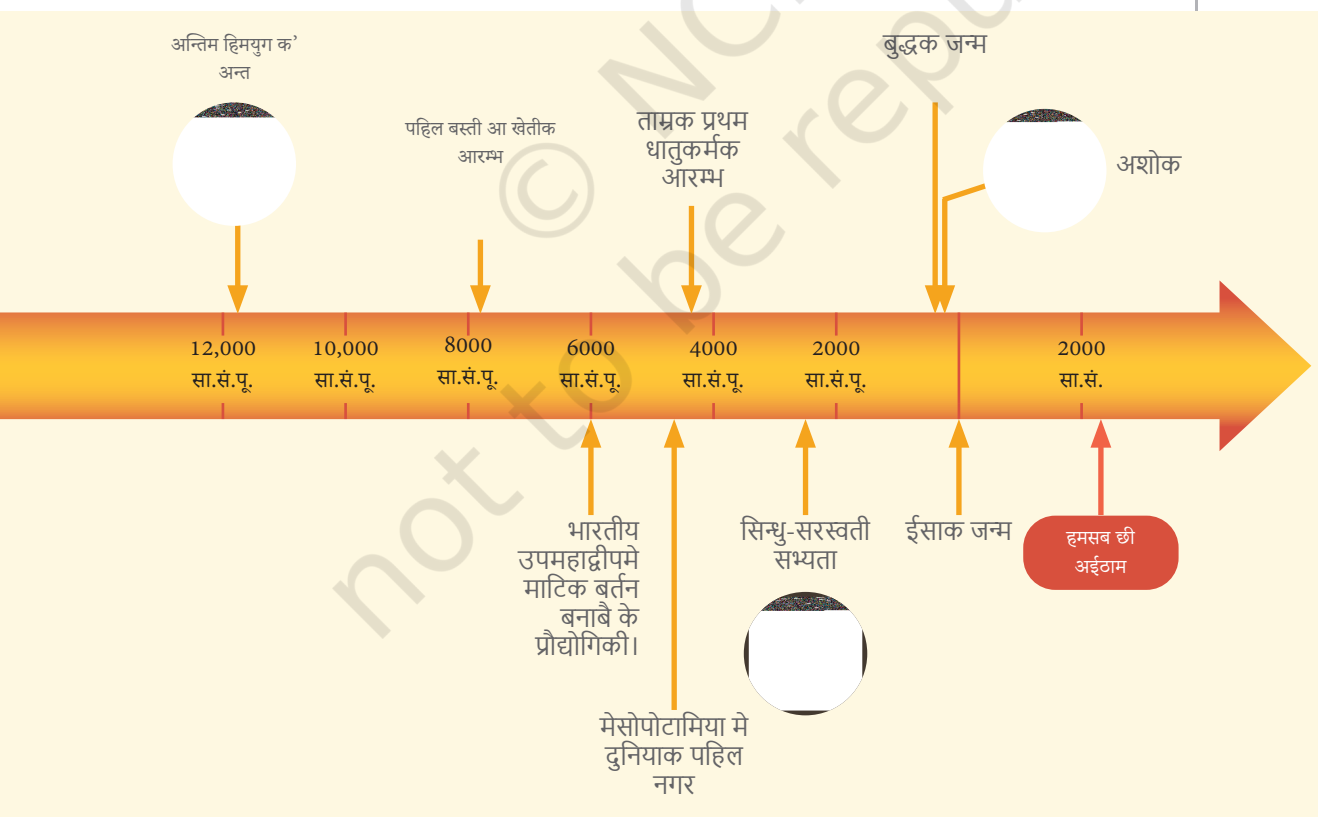


चित्र 4.3- 300,000 सा.सं.पू. सँ किछु मुख्य घटनाक समयरेखा

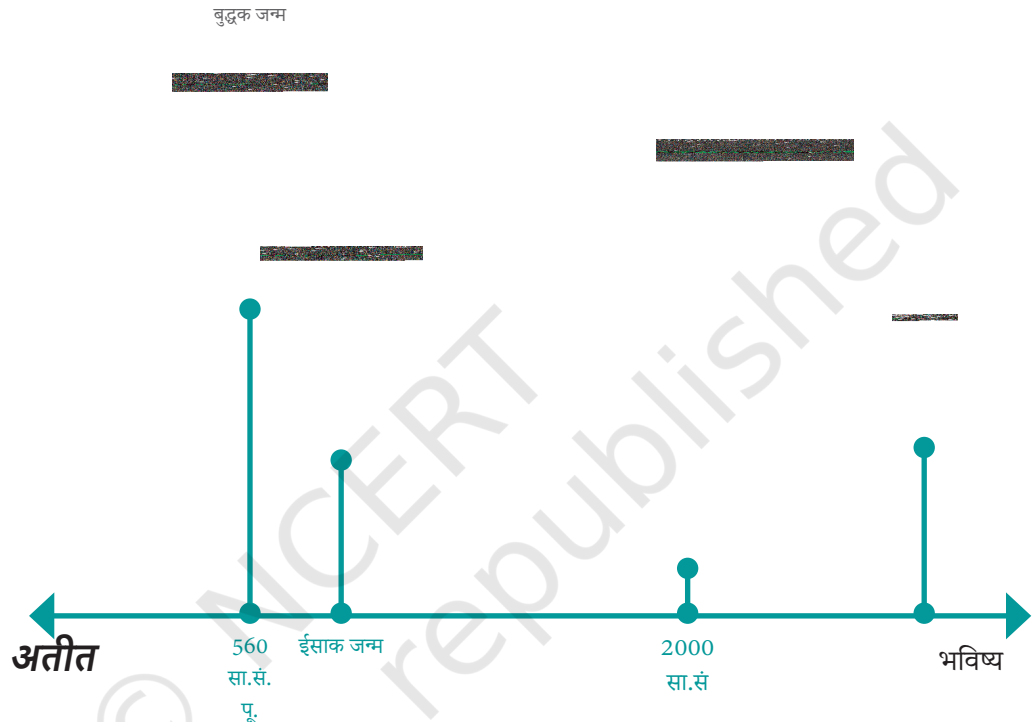
जन्मक अनुमानित वर्ष अछि। की अहाँ हिसाब लगा सकैत छी जे ई कतेक वर्ष पहिने छल?

आउ अन्वेषण करू

- एहन गणना सरल अछि, मुदा एकटा पकड़ अछि। ग्रेगोरियन कैलेण्डरमे कोनो 'वर्ष शून्य' नहि अछि। वर्ष 1 ई. ई. वर्ष 1 ई. पू. क ठीक बाद अबैत अछि। 2 ईसा पूर्व सँ 2 ईस्वी धरि प्रत्येक साल एकटा सरल समयरेखा बनाउ; अहाँ देखू जे शून्य वर्षक अनुपस्थितिक कारण ओहि दूटा तिथिक बीच मात्र 3 वर्ष बीत गेल अछि।
- तँ ईसा पूर्वक तिथि आ सा.सं.पू. क' तिथिक बीच वर्षक सङ्ख्याक गणना करबाक लेल अहाँकँ ओकरा जोड़ब चाही मुदा 1 घटा देब -उपरोक्त स्थितिमे, $2 + 2 - 1 = 3$
- अपन सहपाठीक सङ्ग किछु उदाहरणक अभ्यास करू। उदाहरणक लेल, बुद्धक विषयमे प्रश्न पर घुरबाक लेल, मानि लिअ जे आब हम वर्ष 2024 ईस्वीमे छी, तखन बुद्धक जन्म $560 + 2024 - 1 = 2,583$ वर्ष पहिने भेल छल।



एकटा समयरेखा (चित्र देखू। 2. 2 पृष्ठ 62 आ 63 पर) एहन घटनासभकेँ चिह्नित करबाक लेल एकटा सुविधाजनक उपकरण अछि, किएकि ई कोनो विशेष अवधिके सम्मिलित करैत तिथि आ घटना सभक क्रम देखबैत अछि। ई मानवताक आरम्भसँ वर्तमान धरि चलैत अछि, जाहिमे किछु महत्वपूर्ण स्थलचिह्न अछि। ध्यान राखू जे बिंदीदार भाग एकटा छोड़ल अवधि के चिन्ह लगबैत अछि; नहि तऽ ई समयरेखा लगभग 3 मीटर लम्बा होअय पड़त!



एकटा समयरेखा ऐतिहासिक घटना सभक क्रमकेँ बुझबामे सेहो सहायता करैत अछि। उदाहरणक लेल, तिथि देखल बिना सेहो आब अहाँ देख सकैत छी जे बुद्धक जन्म ईसाक जन्मसँ पहिने भेल छल।

ध्यान राखू

एक वर्ष आ एक दशक (दस वर्षक अवधि) के सङ्ग हम प्रायः समयक लम्बा अवधिकेँ बुझबाक लेल अन्य शब्दक उपयोग करैत छी। एहिमेसँ दूटा सामान्यतः इतिहासक विषयमे सीखबाक समय उपयोग कयल जाइत अछि।

1. शताब्दी- ई 100 वर्षक कोनो अवधि अछि। इतिहासमे, वर्ष 1 सा.स सँ प्रारम्भ भऽ कऽ प्रत्येक 100 वर्षमे विशिष्ट शताब्दीक गणना कयल जाइत अछि। उदाहरणक लेल, हम एखन 21वीं शताब्दी ईस्वीमे छी, जे 2001 सँ 2100 धरि चलैत अछि।

ईसा पूर्व शताब्दीक गणना वर्ष 1 सा.सं.पू. सँ आरम्भ होइत अछि आ समयमे पाछाँ जाइत रहैत अछि। उदाहरणक लेल, तेसर शताब्दी सा.सं.पू. मे 300 सा.सं.पू. सँ 201 सा.सं.पू. के वर्ष सम्मिलित होएत ।

2. **सहस्राब्दी**- ई 1000 वर्षक कोनो अवधि अछि। इतिहासमे, वर्ष 1 सा.सं.पू. सँ प्रत्येक 1,000 वर्षमे विशिष्ट शताब्दीक गणना कयल जाइत अछि। उदाहरणक लेल, हम अखन तेसर सहस्राब्दी मे छी ईस्वी, जे 2001 सा.सं. सँ प्रारम्भ भेल आ 3000 सा.सं. धरि चलत।

सदीक जकाँ, सहस्राब्दी ईसा पूर्वक गणना सेहो 1 ईसा पूर्वसँ शुरू भऽ कऽ पाछू दिस जाइत अछि। तँ ई 1st सहस्राब्दी ईसा पूर्वमे 1 ईसा पूर्व सँ 1000 ईसा पूर्व धरि सम्मिलित होयत।

पृष्ठ 62 आओर 63 पर देल गेल समयरेखामे (चित्र 4.3), की अहाँ 8 क' प्रारंभकें चिह्नित कए सकैत छीth सहस्राब्दी ईसा पूर्व? (नोट: अंग्रेजीमे, 'मिलेनियम'क बहुवचन 'मिलेनियम' वा 'मिलेनिया' अछि; दुनू सही अछि।)

आउ अन्वेषण करू

1900 ईस्वी सँ वर्तमान हाँ तक पसरल समयरेखा बनाउआर आ अपन दादा-दादी, माता-पिता, भाई-बहिन आ अपन जन्मक तिथि राखू। सङ्गहि, ओ वर्ष चिन्हित करू जे 20 शताब्दी ईस्वी एहिसँ शुरू होइत अछि आ समाप्त होइत अछि।

ध्यान राखू

की अहाँ जानि भारत मे कैलेंडर पारम्परिक रूप सँ कोना बनैत अछि? बहुत रास भारतीय पञ्चाङ्ग वर्षक मासकें परिभाषित करबाक लेल सूर्य आ चन्द्रमाक स्थिति पर निर्भर करैत अछि। पञ्चाङ्ग सारणीसभक एकटा पुस्तक अछि जे सम्बन्धित खगोलीय आंकड़ाक सङ्ग प्रत्येक मासक दिनकें सूचीबद्ध करैत अछि; उदाहरणक लेल, ई सूर्य आ चन्द्र ग्रहण, सूर्योदय आ सूर्यास्तक समय आदि घटनाक सटीक भविष्यवाणी करैत अछि। पाञ्चांगसजे एखनो भारतमे व्यापक रूपसँ उपयोग कयल जाइत अछि, प्रायः वर्षक मौसमक भविष्यवाणी, पाबनि-तिहारक तिथि आ समय, आ बहुत किछु सेहो दैत अछि।

इतिहासक स्रोत:
कोनो स्थान, व्यक्ति,
पाठ या कोनो वस्तु
जकरासँ हम कोनो
पछिला घटना या
अवधिक बारे मे
जानकारी एकत्रित
करैत छी।

इतिहासक स्रोत की अछि?

आउ अन्वेषण करू

की अहां अपन परिवार के कम सं कम तीन पीढ़ीक बारे मे अपन माय आ पिता के तरफ सं जानकारी एकत्र करैत छी? अपन माता-पिता, दादा-दादी आ परदादा-दादीक सङ्ग एकटा पारिवारिक गाछ बनाउ। हुनकर नाम पता करू, आजीविका लेल ओ की केलनि आ कतय जन्म लेलनि। सङ्गहि, ओ स्रोत लिखू जतय सँ अहाँकेँ ई जानकारी भेटल।

संबंध	नाम	व्यवसाय	जन्मस्थान	सूचनाक स्रोत
दादा-दादी				
नाना- नानी				
परदादा-परदादी				
परनाना- परनानी				

अहां के अपन परिवार के अतीत के बारे मे विवरण केना भेटल? की अहाँ अपन माता-पिता आ रिश्तेदारक फोटो, डायरी, आईडी कार्ड या स्मृति सन चीज पर भरोसा करैत छी?

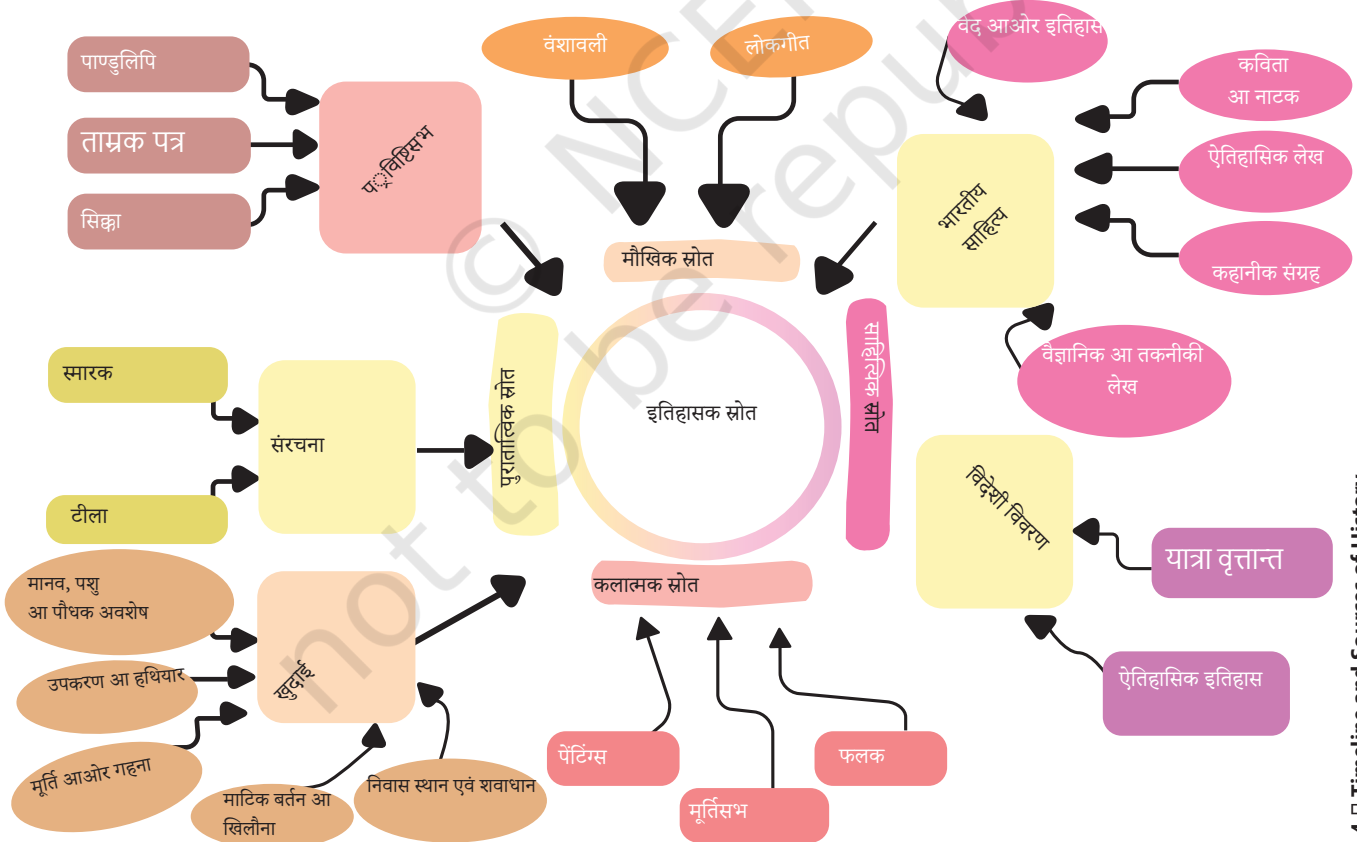


आबू विचार करू

की अहाँ कहियो अपन घरक भीतर आ ओकर आसपास पुरान सिक्का, किताब, कपड़ा, गहना या बर्तन देखलहुं? एहन वस्तुसँ हम कोन प्रकारक सूचना प्राप्त कए सकैत छी? या पुरान घर या भवन सं?

प्रत्येक वस्तु वा संरचना एकटा कथा कहैत अछि आ आरा पहेली मे एकटा टुकड़ा जकाँ होइत अछि। अहाँ अपन घरक चारू कात जे वस्तु देखैत छी ओ अहाँक परिवारक इतिहासक किछु संकेत दैत अछि। तहिना हम विभिन्न स्रोतक माध्यमसँ ऐतिहासिक घटनासभकेँ एक सङ्ग राखि सकैत छी। मुदा ध्यान राखू जे इतिहासक मामिलामे पहेली के किछु टुकड़ा गायब रहि सकैत अछि!

पृष्ठक नीच्चाँ आकृतिक अवलोकन करू। ई इतिहासक मुख्य स्रोतसभकेँ एक सङ्ग अनैत अछि। अहां के आब ओ सबके याद रखबाक जरूरत नहि अछि।



इतिहासकार: एकटा व्यक्ति जे अतीत के बारे में पढ़ैत आ लिखैत अछि।

आनुवंशिकी: जीव विज्ञानक ओ शाखा जे अध्ययन करैत अछि जे कोना पौधा, जानवर वा मनुष्यमें किछु विशेषता आ विशेषता एक पीढ़ीसँ दोसर पीढ़ीमें पसरि जाइत अछि।

जहिना हम आगू बढ़ब तखन हम ओहिमे सं किछु के प्रयोग करब। कखन **इतिहासकार** कहैत छी, 1500 वर्ष पहिने के राजा या रानी, कोनो प्राचीन स्मारक, युद्ध या व्यापारक किछु वस्तुक अध्ययन, ओ सभ बेसी सँ बेसी स्रोतसँ जानकारी जुटाबय आ परामर्श करबाक लेल बहुत सावधानी रखैत छथि। कखनो-कखनो स्रोत एक दोसरक पुष्टि करैत अछि (आरा टुकड़ा मेल खाइत अछि); अन्य समयमें, स्रोत विरोधाभासी जानकारी दऽ सकैत अछि (आरा टुकड़ा मेल नहि खाइत अछि), एहि स्थितिमें हुनका ई तय करबाक आवश्यकता होइत अछि जे ओ कोन स्रोतपर बेसी भरोसा कऽ सकैत छथि। एहि तरहँ ओ ओहि कालखंडक इतिहासकें फेरसँ बनयबाक प्रयास करैत छथि जकर ओ अध्ययन कऽ रहल छथि।

इतिहासक एहि सभटा स्रोतमें केकर योगदान अछि? इतिहासकार स्वयं, बल्कि पुरातत्वविद, पुरालेखविद (जे प्राचीन शिलालेखक अध्ययन करैत छथि), मानवविज्ञानी (जे मानव समाज आ ओकर संस्कृतिक अध्ययन करैत छथि), साहित्य आ भाषाक विशेषज्ञ, आ किछु आओर सेहो छथि। एकर अतिरिक्त, पछिला 50 वर्ष या ओहिसँ बेसी समयमें, वैज्ञानिक अध्ययन अतीतक पुनर्निर्माणमें बेसी सँ बेसी योगदान दऽ रहल अछि। उदाहरणक लेल, स्टडीप्राचीन जलवायुक अध्ययन, खुदाई कयल गेल सामग्रीक रासायनिक अध्ययन आ एकर अध्ययन **आनुवंशिकी** प्राचीन लोकसभ ताजा अंतर्दृष्टि प्रदान कयलनि अछि, जे बेसी सामान्य स्रोतक पूरक अछि। आ जखन इतिहासकार हालक इतिहासक अध्ययन करैत छथि (जकर अर्थ सामान्यतः पछिला दू या तीन शताब्दी होइत अछि), तखन एकटा आओर स्रोत अखबार अछि; पछिला किछु दशकसँ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (टेलीविजन, इंटरनेट आदि) सँ सेहो परामर्श कयल जा सकैत अछि।

आउ अन्वेषण करू

अगिला पृष्ठ पर इतिहासक विभिन्न स्रोतक किछु चित्र अछि। अहां के लगैत अछि जे वस्तु कोन आ की देखाबैत अछि? चित्रक बगलक बक्सामें कोनो जानकारी लिखू जे अहाँकें एहि वस्तुसभसँ भेटैत अछि।



Blank writing area with four horizontal red dashed lines for text entry.

Blank writing area with four horizontal red dashed lines for text entry.



Blank writing area with four horizontal red dashed lines for text entry.

मानव इतिहासक आरम्भ

आधुनिक मनुष्य (होमो सेपियन्स) लगभग 300,000 (तीन लाख) वर्ष सँ ग्रह पर चलि रहल छी। ई बहुत लम्बा समय प्रतीत होइत अछि, तैयो ई पृथ्वीक इतिहासक मात्र एकटा छोट अंश अछि। आउ हम अपन प्रारम्भिक इतिहास पर एकटा त्वरित नजरि देब।

आउ अन्वेषण करू

भीतर उपरोक्त चित्र, एकटा चट्टान आश्रयमे प्रारम्भिक मनुष्यक किछु गतिविधिकेँ देखू। अहां कोन के पहचान सकैत छी? प्रत्येक के लेल संक्षिप्त विवरण दिअ।

प्रारम्भिक मनुष्यकेँ प्रकृतिसँ बहुत रास चुनौतीक सामना करय पड़ैत छल आ एक दोसरक मदति लेल टोली या समूहमे रहैत छल। ओ सभ लगातार आश्रय आ भोजन तकैत छलाह, आ मुख्य रूपसँ शिकारी आ सङ्ग्रहकर्ता छलाह; एकर अर्थ अछि जे ओ अपन जीवित रहबाक लेल खाद्य पौधा आ फलक शिकार आ सङ्ग्रह पर निर्भर छलाह। हमर प्रारम्भिक पूर्वजक प्राकृतिक तत्वक विषयमे सेहो किछु मान्यता छल आ संभवतः एकर किछु धारणा मरणोपरान्त **जीवनक** सेहो छल।

मरणोपरान्त जीवनः
मृत्युक बाद

ई समूह अस्थायी शिविर, चट्टान आश्रय वा गुफामे रहैत छल, आ आब नष्ट भऽ चुकल भाषाक उपयोग करैत एक दोसरसँ संवाद करैत छल। ओ सभ आगिक उपयोग कयलनि आ एहन वस्तु बनेनाइ शुरू कऽ देलनि जे हुनक जीवनकेँ आसान बना देलक, जेना पाथरक कुल्हाड़ी आ ब्लेड, तीरक शीर्ष आ अन्य औजार। विश्व भरिक सैकड़ो गुफामे पाओल जायवला शैल चित्रमे हुनक जीवनक पहलू देखबामे अबैत अछि। ओहिमेसँ किछु चित्रमे साधारण आकृति वा किछु प्रतीककेँ चित्रित कयल गेल अछि; अन्य बेसी विस्तृत अछि आ पशु वा मनुष्यक सङ्ग दृश्यक प्रतिनिधित्व करैत अछि। समयक सङ्ग, ई प्रारम्भिक मनुष्य साधारण गहना जेना पाथर वा खोलक मोती, पशुक दाँतसँ बनल लटकन बनयब सीखि लेलक आ कखनो काल ओकर आदान-प्रदान अन्य समूहक सङ्ग कयलक।

पहिल उपज

लम्बा युगसँ पृथ्वीक जलवायु बहुत रास परिवर्तनसँ गुजरल अछि। किछु समयमे, ई बहुत ठंढा छल आ पृथ्वीक अधिकांश भाग बर्फसँ आच्छादित छल - एकरा 'हिमयुग' कहल जाइत अछि, जेना अहाँ विज्ञानमे बेसी विस्तारसँ सीखब। बादमे, जखन जलवायु गर्म भऽ गेल, ई बर्फ आंशिक रूपसँ पिघलि गेल, आ परिणामस्वरूप पानि विद्यमान नदीसभकेँ फुलाइत आ अन्ततः महासागरमे प्रवाहित भऽ गेल। अंतिम हिमयुग 1,00,000 (एक लाख) वर्ष पहिने सँ लगभग 12,000 वर्ष पहिने धरि पसरल छल।

बादमे, मनुष्यक लेल रहन-सहनक स्थितिमे सुधार भेल। विश्वक कतेको भागमे ओ सभ बसय लगलाह आ अनाज आ अनाजक खेती करय लगलाह। ओ पशु, बकरी आदि पशुकेँ सेहो पालतू बनबैत छलाह। बेसी भोजन उपलब्ध होयबाक कारण, ई समुदायक आकार आ संख्यामे वृद्धि भेल, आ प्रायः नदीक लग बसि गेल। ई मात्र पानिक उपलब्धताक कारण नहि छल, बल्कि एहि लेल सेहो छल जे ओतय माटि बेसी उपजाऊ होयत। एहिसँ फसिल उगयबाक प्रक्रिया आसान भऽ गेल।

आउ अन्वेषण करू

अगिला पृष्ठ पर दृश्यक अवलोकन करू। ई किछु सहस्राब्दी पहिलका एकटा कृषक के चित्रित करैत अछि। मुख्य क्रियाकलाप सूचीबद्ध करू जकरा अहाँ पहचानि सकैत छी।



आबू विचार करू

- ◆ एकटा रॉक शेल्टर आ एहिमे दुनू तरहक पहिलुक चित्रमे पुरुष आ महिलाकेँ किछु भूमिका देल गेल अछि। यद्यपि ई 'प्राकृतिक' प्रतीत भऽ सकैत अछि, मुदा जरूरी नहि जे ओ सही होयत आ सभ परिस्थिति पर लागू नहि होयत। उदाहरणक लेल, कोनो रॉक शेल्टरमे, महिलासभ चट्टानकेँ चित्रित करबाक लेल रङ्ग तैयार करबामे सहायता कयलनि होयत वा किछु चित्रकारी कयलनि होयत। दुनू दृश्यमे पुरुष सभ किछु खाना बनेने होयत वा बच्चासभक देखभाल करबामे मदति कऽ सकैत छथि।
- ◆ ई ध्यान रखैत जे हमरा लग मात्र सीमित जानकारी अछि, एहन भूमिका आ परिस्थितिक बारे मे सोचू आ कक्षामे चर्चा करू।

जेना-जेना समुदाय बढ़ैत गेल, ओकर सामाजिक जटिलता सेहो बढ़ैत गेल। नेता वा 'सरदार' लोकक कल्याणक लेल उत्तरदायी छलाह, आ सभ गोटेक **कल्याणक** लेल सामूहिक रूपसँ समुदायक लेल काज करैत छलाह। उदाहरणक लेल, व्यक्तिगत स्वामित्वक कोनो भावना नहि छल; जमीन के सामूहिक रूप सँ बोनाइ आ कटाई कैल गेल छलइ।

कल्याण: स्वास्थ्य, समृद्धि
आ कल्याण।

जेना-जेना समय बीतैत गेल, **पल्ली** (उप-ग्राम) पैघ गाममे बढ़ल जे वस्तुक आदान-प्रदान करैत छल - अधिकांशतः भोजन, कपड़ा आ औजार। धीरे-धीरे ओहि गामक बीच संचार आ आदान-प्रदानक नेटवर्क स्थापित भेल, आ ओहिमेसँ किछु छोट-छोट शहरमे बढ़ि गेल। नव प्रौद्योगिकी प्रकट भेल - उदाहरणक लेल माटिक बर्तन, बर्तन आ माटिक अन्य वस्तु बनेबाक लेल; आ धातुक उपयोग (पहिने तांबा, लोहा बादमे), जे टिकाऊ औजार, दैनिक उपयोगक वस्तु आ आभूषण बनयबामे सहायता कयलक। हम अध्याय 6 मे देखब जे ई चरण कोना 'सभ्यता' कहल जायवला उद्भवक लेल तैयार भेल। एखन लेल ई मोन राखब महत्वपूर्ण अछि जे मानवताक एहि प्रारम्भिक प्रगतिकेँ कतेको चुनौतीक सामना करय पड़ल। किछु महत्वपूर्ण समयमे मानवता लगभग लुप्त भऽ सकैत छल, जेना कि पहिने किछु प्रजाति करैत छल। हमसभ ओहि प्रारम्भिक मनुष्यकेँ कहियो नहि जानि सकैत छी जिनकर साहस आ दृढ़ताक लेल हम आज अपन अस्तित्वक ऋणी छी।

पल्ली: एकटा छोट
बस्ती या छोट गाम।

आगू बढ़लासँ पहिले ...

- हम अपन अतीत के बारे मे बेसी जानय के किछु प्रणाली के खोज केलौं। समयरेखाक अवधारणा अलग-अलग समय पर ऐतिहासिक घटनाक क्रमकेँ बुझबामे सहायता करैत अछि।
- समयकेँ नापबाक अलग-अलग प्रणाली अछि : वर्ष, दशक, शताब्दी, सहस्राब्दी।
- इतिहासक स्रोत कतेको अछि। ई सभ ऐतिहासिक घटनाक पुनर्निर्माण आ व्याख्या करबामे सहायता करैत अछि।
- हमसभ प्रारम्भिक मनुष्यक जीवन आ समयक सङ्ग मानव समाज कोना बेसी जटिल भऽ गेल, एहि पर सेहो संक्षिप्त नजरि देलहुँ अछि।

प्रश्न, गतिविधि आओर परियोजना

1. एकटा परियोजनाक रूपमे, अपन निपटानमे इतिहासक स्रोतक उपयोग करैत अपन परिवारक (वा गाम जँ अहाँ एकटामे रहैत छी) इतिहास लिखू। अपन शिक्षक सं अहाँ के मार्गदर्शन करए के लेल कहू।
2. की हम इतिहासकारक तुलना जासूस सं कए सकैत छी? अपन जवाबक कारण दिअ।
3. खजूरक सङ्ग किछु अभ्यास:
 - एहि तिथिसभकेँ कालक्रमानुसार समयरेखापर राखू: 323 ईस्वी, 323 ईसा पूर्व, 100 ईस्वी, 100 ईसा पूर्व, 1900 ईसा पूर्व, 1090 ईस्वी, 2024 ईस्वी।
 - जँ राजा चन्द्रगुप्तक जन्म 320 ईस्वीमे भेल छल तँ ओ कोन शताब्दीक छलाह? आ ओ बुद्धक जन्मक कतेक वर्ष बाद छल?
 - झाँसीक रानीक जन्म 1828 मे भेल छल। ओ कोन शताब्दीक छलीह? ई भारतक स्वतन्त्रतासँ कतेक वर्ष पहिने छल?
 - '12,000 वर्ष पहिने' के तारीख मे बदलू।
4. लगक सङ्ग्रहालय भ्रमणक योजना बनाउ । सङ्ग्रहालयमे कोन प्रकारक प्रदर्शनी अछि ताहि पर किछु पूर्व शोधक सङ्ग यात्रा तैयार कयल जयबाक चाही। यात्राक दौरान टिप्पणि लिखू । बादमे एकटा सङ्क्षिप्त रिपोर्ट लिखू, जाहिमे ई उजागर कयल गेल जे यात्रा आ प्रदर्शनक विषयमे की अप्रत्याशित / रोचक / मजेदार छल।
5. अपन विद्यालयमे कोनो पुरातत्वविद् या इतिहासकारकेँ आमन्त्रित करू आ हुनका अपन क्षेत्रक इतिहास आ एकर ज्ञान किएक महत्वपूर्ण अछि एहि पर बात करबाक लेल कहू।